

**B. Atitudine (15)**

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**III. Încheierea scrisorii (16-18)**

**A. Mijlocire (16)**

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**B. Salut (17, 18)**

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**Lecția 13 - Un avertisment prietenos**  
**2 Tesaloniceni 3:6-18**

**Verset-cheie**

“Și dacă n-ascultă cineva ce spunem noi în această epistolă, pe acela să vi-l însemnați și să n-aveți nici un fel de legături cu el, ca să-i fie rușine. Să nu-l socotiți ca pe un vrăjmaș, ci să-l muștrați ca pe un frate.” (2 Tesaloniceni 3:14, 15)

**Rezumat**

Pavel le poruncește tesalonicenilor să se distanțeze de orice frate care nu trăia potrivit cu învățătura misionarilor. Dacă o persoană nu muncește, ea nici nu ar trebui să mănânce. Credincioșii trebuie să muncească pentru a se întreține.

**Tema**

Credincioșii trebuie să caute restaurarea fraților care au un mod de viață nebiblic.

**Răspunsul nostru**

Vom evalua modul în care ne-am raportat la frați al căror mod de viață este nebiblic și vom face schimbările necesare.

**I. Instrucțiuni cu privire la cei ce trăiesc în neorânduială (6-13)**

**A. Îndemn pentru tesaloniceni (6)**

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**B. Exemplul misionarilor (7-10)**

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**C. Viața celor ce trăiesc în neorânduială (11, 12)**

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**D. Încurajare pentru Tesaloniceni (13)**

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**II. Instrucțiuni cu privire la cei neascultători (14, 15)**

**A. Acțiune (14)**

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---